स्मृति सुमन

तुम्हारी याद में कुछ शेष कुछ अशेष लिखना रह गया

यू हमें छोड़कर अचानक तुम्हारा अनंत यात्रा पर चले जाना निश्चित रूप से अखरता है । अभी कुछ देर पहले ही तुम हमसे बात कर रहे थे । कुछ लिख रहे थे । कविता पर अपना गहन गंभीर विचार व्यक्त कर रहे थे । किसी लेख को लिखने में अपना चिंतन सूरज के सात घोड़े की तरह दौड़ा रहे थे तो फिर, अचानक इन सांसों ने सांसों के साथ ऐसा कौन सा संकट उत्पन्न कर दिया जिससे तुम्हारी सांसे के कल्याण से निकलतीं हुईं केसर की खुशबू को वही रोक दी गई और हमेशा के लिए हमसे तुम्हें दूर लेकर चली गई । आखिर क्यों ? व्यक्ति के व्यक्तित्व का सबसे सशक्त परिचय उसके निस्वार्थ भाव से निकले हुए शब्द के माध्यम से होता है क्योंकि बुद्धि विवेक पर निर्धारित किए गए विषय पर उसका प्रखर चिंतन उसके लेखनी में कागज़ पर अंकित नज़र आता है । आज वही शब्द हमारे सामने मौन क्यों हो गया ? आपके सम्मान में कल्याण भाई किसी ने केसर की महक की भांति ठीक ही कहा है ।

खामोशी छुपाती है, ऐब और हुनर दोनों ।
शख्सियत का अंदाज़ा, गुफ़्तगू से होता है ।।

यह बात कल्याण सिंह राजपूत केसर पर खरी खरी उतरती है क्योंकि, जैसे ही वह बोलते है, तो उनके विचार किसी न किसी संस्कार के रूप में शामिल हों कर शिक्षा को संवेदनशीलता और चरित्रवान बनाने में स्वतः प्रकट होने लगते हैं जों कि , विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए निवं के पत्थर बन जाते हैं।

किसी भी प्रकार का शोक संदेश किसी भी कीमत पर किसी को भी अच्छा नहीं लगता है क्योंकि, यह वह संदेश है जो हमारे दिल के करीब रहने वाले को बड़ी बेरहमी के साथ, वक्त की चाल के साथ हमसे छीन लेता और हम असहाय रह जाते हैं । प्रकृति के इस फैसले ने हमारे साथी उत्तम शिक्षक कर्मयोगी मालवांचल के प्रसिद्ध साहित्यकार केसर के नाम से विख्यात कल्याण सिंह राजपूत का ह्रदयाघात होने के कारण निधन हो गया है । साहित्य एवं शिक्षा जगत के लिए यह बड़ी क्षति है जिसकी भरपाई करना संभव नहीं है ।

अंततः, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारी लेखनी से निकले शब्द किसी के अंदर दिव्यक ज्योति दीप जलकर उसके जीवन में उल्लास भर दें इसलिए कल्याण सिंह राजपूत केसर के सफल व्यक्तित्व को देखते हुए श्रेष्ठ ज्ञानवान चरित्र और सार्थक जीवन की आधारशिला को स्वीकार करना होगा क्योंकि कुछ फैसले हमारे होते हैं तो उन्हें बदल सकते हैं परन्तु यह फैसला प्रकृति का है इसलिए बदल नहीं सकते हैं । शब्द हमारे अंदर छिपे हुए व्यक्तित्व का आईना होता है जिसकी वजह से हम कल्याण अर्जित करते हैं और केसर बन जातें हैं।

प्रकाश हेमावत
मकान नंबर 545 गली नंबर 5 बुद्धेश्वर मंदिर की तरफ
टाटा नगर रतलाम मोबाइल नंबर 93015 43440

महिला सहकारिता सम्मेलन का आयोजन भोपाल में सम्पन्न

भोपाल। रानी अहिल्याबाई होल्कर सभागार, राज्य पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान, पशपालन विभाग, मेनिट चौराहा के पास, भोपाल में 'प्रदेश महिला सहकारिता सम्मेलन' का आयोजन किया गया, जिसमें सहकार भारती मध्यप्रदेश के तत्वावधान में किया गया। इस सम्मेलन में सहकार भारती मध्यप्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर के देश-प्रदेश के सहकार भारती के दायित्ववान पदाधिकारी एवं प्रदेश भर की सहकारिता क्षेत्र में विभिन्न प्रकार से सहकारिता से संबंधित कार्य करने वाली महिलाओं ने सहभागिता की।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री विश्वास कैलाश सारंग , सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री, मध्यप्रदेश शासन रहे। इस कार्यक्रम में इनके अतिरिक्त विशिष्ट अतिथि के रूप में अपेक्स बैंक के प्रशासक महेन्द्र यादव, सहकार भारती की राष्ट्रीय महिला प्रमुख श्रीमती रेवती शेन्दुर्णीकर , राष्ट्रीय मंत्री एवं मध्यक्षेत्र संगठन प्रमुख दिलीप दादा पाटिल जी, सहकार भारती प्रदेश अध्यक्ष शेखर किवे, सहकार भारती प्रदेश संगठन मंत्री राधेश्याम जलक्षत्री , प्रदेश महामंत्री राकेश चौहान, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती हरनीत कौर, प्रदेश महिला प्रमुख डॉ. जया श्रीवास्तव मुख्य रूप से सम्मिलित हुए। अतिथि परिचय एवं स्वागत राकेश चौहान प्रदेश महामंत्री सहकार भारती ने किया।

उसके पश्चात् प्रदेश अध्यक्ष शेखर किवे ने स्वागत भाषण दिया। प्रदेश महिला प्रमुख डॉ. जया श्रीवास्तव ने प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण दिया। सहकार भारती के तत्वावधान में -सहकार दिग्दर्शिका' पत्रिका का विमोचन माननीय सहकारिता मंत्री द्वारा किया गया। इसके उपरांत प्रदेश की विभिन्न महिलाओं द्वारा किए गए सहकारिता के क्षेत्र में विशेष कार्य करने हेतु लगभग 30 विशिष्ट महिलाओं का शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह से माननीय मंत्री जी द्वारा सम्मानित किया गया। अपने उद्बोधन में अपेक्स बैंक के प्रशासक श्री महेन्द्र यादव जी ने सहकारिता के क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका एवं सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सहकार भारती से जुड़ते हुए प्रदेश की महिलाओं के अविस्मर्णीय कार्यों को याद करते हुए महिलाओं द्वारा सहकारिता क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए प्रेरित किया।

इसके पश्चात् सहकार भारती की राष्ट्रीय महिला प्रमुख श्रीमती रेवती शेन्दुर्णीकर जी ने अपने उद्बोधन में सहकार भारती में महिलाओं की विशिष्ट भूमिका के रूप में किस प्रकार महिलाएं सहकारिता के क्षेत्र में परिवार एवं सरकार को जोड़ते हुए राष्ट्रीय विकास में सहयोगी हो सकती हैं एवं कैसे अपना आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान कर सकती हैं, विभिन्न योजनाओं के माध्यम से विस्तृत रूप से बहनों को बताया। उसके उपरांत बहनों को सहकारिता के माध्यम से सरकार से सहयोग लेते हुए रोज़गार की समस्या का निदान करते हुए राष्ट्र विकास में अगृणी भूमिका कैसे निभा सकते हैं इसे विस्तृत रूप से बताया।

मुख्य आतिथ्य के रूप में अपने अविस्मरणीय उद्बोधन के रूप में मध्यप्रदेश के सहकारिता मंत्री माननीय विश्वास कैलाश सारंग जी ने सहकार भारती मध्यप्रदेश द्वारा प्रदेश स्तरीय महिला सहकारिता सम्मेलन कार्यक्रम के आयोजन की प्रशंसा करते हुए बिना सहकार नहीं उद्धार की बात करते हुए महिलाओं को ज्ञान की देवी माँ सरस्वती, शक्ति की देवी माँ दुर्गा एवं धन की देवी माँ लक्ष्मी जी के समान शक्तिशाली बताते हुए सहकारिता से जुड़ने एवं सहकारिता विभाग को अपना परिवार के रूप में मानने के लिए उद्वेलित करते हुए सभी को इसमें आर्थिक एवं सामाजिक पहलुओं के आधार पर सांस्कृतिक रूप से जोड़ने के लिए आव्हानकिया। साथ ही उन्होंने म.प्र. सरकार की योजनाओं में मध्यप्रदेश की महिलाओं को विशेष महत्व देने की बात कहते हुए सभी बहनों को सहकारी समितियों एवं अन्य माध्यमों से जुड़ते हुए म.प्र. सरकार की समस्त योजनाओं का लाभ मिले, इस बात को बहनों के सामने रखा।

साथ ही मंत्री जी ने अपने विधानसभा क्षेत्र की डेढ़ लाख बहनों से राखी बंधवाते हुए अपनी बहन कहते हुए समस्त प्रदेश की बहनों को नि:संकोच सहकारिता क्षेत्र में आने व सभी शासन की योजनाओं में भाग लेने के लिए मंत्री जी ने अपने को अपने भाई के समान मानने की बात कही एवं भविष्य में बहनों को विभिन्न चुनावों में 50 प्रतिशत एवं आगामी विधानसभा एवं संसदीय चुनावों में राष्ट्रीय सरकार की नीति अनुसार 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ लेते हुए राजनीतिक क्षेत्र में भी आगे आने की बात कही।

अपने उद्बोधन में माननीय मंत्री जी ने मध्यप्रदेश की सहकारिता नीति में C-PPP के रूप में नवाचार एवं सहकारिता क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाओं के बारे में बहनों को बताया। साथ ही कार्यक्रम के भव्य आयोजन के लिए सहकार भारती के प्रदेश संगठन मंत्री श्री राधेश्याम जलक्षत्री जी एवं उनकी पूरी प्रदेश टीम की प्रशंसा करते हुए सहकारिता मंत्री के रूप में हर स्तर पर सहकारिता के प्रचार-प्रसार के लिए सहकार भारतीय मध्यप्रदेश को पूर्ण सहयोग करने की बात कही गई साथ ही सहकारिता ग्रामीण महिला व गरीब किसानों तक पहुंचे इस हेतु हर स्तर पर मदद करने का आव्हान करते हुए सनातन धर्म अंतर्गत विभिन्न मंदिरों में महिला भजन मंडलियों के माध्यम से भी सहकारिता को और आगे वृहद स्तर तक हर परिवार से जोड़ने के लिए सहकार भारती एवं सभी बहनों को आव्हान किया। माननीय मंत्री जी ने भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं केन्द्रीय सहकारिता मंत्री जी के नेतृत्व में सहकारिता के विस्तृत विकास एवं प्रसार हेतु विभिन्न को-ऑपरेटिव समितियों के माध्यम से भारत में एक क्रांति लाते हुए भारत को तीसरी आर्थिक महाशक्ति की ओर ले जाने के मिशन की प्रशंसा करतेहुए हम सबको उनके इस मिशन में सहभागी होते हुए राष्ट्र निर्माण में पूर्ण सहयोग करने हेतु बहनों को निवेदन करते हुए बताया कि अब राष्ट्र एवं राज्य सरकार विशेष रूप से हर ग्राम एवं हर स्तर पर महिलाओं की विशेष को-ऑपरेटिव समिति बनाने का निर्णय लिया है, जिससे कि सभी बहनें अपने परिवार सहित सहकारिता से जुड़कर अपना एवं राष्ट्र का आर्थिक विकास कर सकेंगी।

इस कार्यक्रम के समापन सत्र में जिले की महापौर श्रीमती मालती राय जी एवं लघु उद्योग निगम की अध्यक्ष सत्येन्द्र भूषण जी भी सम्मिलित हुए। अपने उद्बोधन में जिले की प्रथम महिला श्रीमती मालती राय जी ने बहिनों को सहकारिता एवं अन्य सभी योजनाओं तथा अन्य सभी प्रकार के चुनाव में अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता एवं अपने परिवार के आर्थिक उत्थान हेतु शासन की योजनाओं का लाभ उठाते हुए राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की ओर आव्हान किया। उसके पश्चात् समापन समारोह में विभिन्न महिला समूहों जैसे सवाश्रयी महिला साख सहकारी संस्था मर्या. इन्दौर की श्रीमती मिनी शर्मा ने अपने महिला समूह के कार्यों की Success Story के बारे में सभी बहनों को बताया, इसके अतिरिक्त, वंदना सोनी जी ने अपने महिला श्रमिक एवं निर्माण सहकारी समिति मर्या. के विभिन्न कार्यों का वर्णन भी सभी बहनों के प्रत्यक्ष किया गया।

श्रीमती विन्दु ऑबरॉय संचालक उत्कर्षिणी सेवा रसोई भोपाल के अतिरिक्त लगभग 8 महिला जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्र में सहकारिता में विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से किए गए कार्यों की Success Story का विवरण सभी बहनों के सामने रखा। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम से श्रीमती इन्द्रजीत कौर ने NCDC के माध्यम से सहकारिता के विभिन्न क्षेत्रों में सुविधाएं प्रदान करने हेतु सभी बहनों को बताया। श्रीमती आशा सेंगर, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्री हरनीत , राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, सुश्री संगीता तेन्दुलकर राष्ट्रीय महिला सहप्रमुख ने भी अपना उद्बोधन दिया।

इसके पश्चात् सहकार भारती के संगठन मंत्री राधेश्याम जलक्षत्री, प्रदेश महामंत्री राकेश चौहान व राष्ट्रीय मंत्री, मध्यक्षेत्र संगठन प्रमुख दिलीप दादा पाटिल जी ने भी अपने उद्बोधन में पूरी प्रदेश से आई महिलाओं को सहकारिता क्षेत्र में अपनी भागीदारी बढ़ाने के लिए परिवार के रूप में सहकारिता को अपनाने एवं आर्थिक विकास करने के लिए आव्हान करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाने हुए सहकार डाटा एण्ट के माध्यम से जुड़ने का निवेदन किया।

कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन करते हुए सहकार भारती के प्रदेश मंत्री राकेश चौहान ने सहकार डाटा एण्ट के माध्यम से सहकार भारती से जुड़ने एवं डिजीटल क्रांति के युग में सहकारिता को भी अगृणी बनाने की बात कही। साथ ही उनके द्वारा बताया गया प्रदेश के लगभग 45 जिलों से 250 महिलाओं ने आज के इस सम्मेलन में अपनी सहभागिता दी।

हमारा शाजापुर की कमान अबे बई बेण के हाथ में है...

नारी ताकत सूं दमक रयो शाजापुर, म्हत्ता कुर्सियां पर बाई अफसरां रो दबदबो

शाजापुर/ छोरी किसी सूं कम नी – ई बात आज शाजापुर जिल्लो अपने कामकाज सूं साची साबित कर रयो है। जद देस भर में नारी सशक्तीकरण री बात हो री है, उधर शाजापुर में बाई अफसरां हाथ मं प्रशासन री कमान आवी गी है। जिल्ले री सबसे बड़ी जिम्मेदारियां आज शिक्षित, काबिल अऊ ईमानदार महिला अफसर निभा री है, जिण सूं सुशासन रो नयो उदाहरण सामने आवे है।

जिल्ले री कलेक्टर ऋतु बाफना, विकास अऊ प्रशासन री डोर संभाळ री है, तो पुलिस अधीक्षक प्रियांका शुक्ला कानून-व्यवस्था ने मजबूत बनावण मं दिन-रात जुटी है। जिला पंचायत सीईओ अनुपमा चौहान गांव-गांव विकास योजनां ने गति देवै मं लगी है।

साथे अनुविभागीय अधिकारी शाजापुर मनीषा वास्कले,डिप्टी कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी गुलाना नेहा गंगारे, डिप्टी कलेक्टर अंकिता पाटकर,जिला शिक्षा अधिकारी दीपा कीर, जिला परिवहन अधिकारी रीना किराड़े, जिला खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अधिकारी अंजू मरावी, महिला सशक्तिकरण अधिकारी नीलम चौहान, पुलिस आर आई वंदना सिंह, शुजालपुर तहसीलदार किरण धाकड़,मोहन बड़ोदिया तहसीलदार दिव्या जैन, मोहन बड़ोदिया जनपद पंचायत सी ई ओ पूजा गुप्ता, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी आयुषी भिडे सहित कई विभागां मं बाई अफसर जिम्मेदारी सूं काम कर री है।

ई बात खाली पद भरन तक सीमित नी है। शाजापुर री बाई अफसरां अपणी संवेदनशीलता, ईमानदारी, अनुशासन अऊ जनसेवा री भावना सूं प्रशासन ने नई पहचान देवै री है। जनता री समस्या होय, विकास रा काम होय या कानून-व्यवस्था, सभी दूर पर बाई अफसर मजबूती सूं फैसला ले री है। मालवा मं एक कहावत है–÷जिम्मेदारी जाका हाथ मं होय, ओ ही असली मान पावै।÷ आज ई कहावत शाजापुर मं बाई अफसरां पर एकदम खरी उतर री है। ई अफसर साबित कर री है कि काबिलियत मं ना छोरो आगो है, ना छोरी पाछो। सामाजिक दृष्टि सूं भी ई बदलाव घणो मायने राखे है।

गांव-ढाणी री छोरियां जद कलेक्टर, एसपी या जिला अफसरां री कुर्सी पर बाई ने बैठेलो देखे है, तो उंका मन मं भी बड़े सपना जागे है। ई विश्वास पैदा होवे है कि पढ़ाई, मेहनत अऊ लगन सूं कोई भी मंजिल दूर नी। शाजापुर री ई तस्वीर केवल प्रशासनिक बदलाव नी, बल्कि समाज मं बदलती सोच रो प्रतीक भी है। आज नारी सशक्तीकरण भाषणां मं नी, बल्कि सरकारी दफ्तरां, फैसलां अऊ विकास रा कामां मं साफ दिखाई देवै है।

आज शाजापुर ई संदेश दे रयो है–

जद बाई ने अवसर मिलै, तो वो खाली घर नी, पूरा जिल्लो संभाळ सकै है।

ई बदलाव मालवा खातर गौरव री बात है अऊ आने वाली पीढ़ी खातर प्रेरणा रो मजबूत आधार भी।

राधेश्याम सोनी
पत्रकार मोहन बड़ोदिया

सनावद पुलिस ने गुम हुई 02 नाबालिग बालिकाओ को 12 घंटे के भीतर किया दस्तयाब

पुलिस के लगातार जारी प्रयासों से मिली सफलता

परिजनों की डाटने पर घर से चली गई थी दोनों बलिकाएं

बालिकाओ को सकुशल किया परिजनों के सुपुर्द, परिजनों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया

सनावद(विजय गुप्ता) पुलिस मुख्यालय भोपाल के द्वारा जिलों के विभिन्न थाना क्षेत्रों से गुम हुए नाबालिक /बालिग बालक/बालिकाओ की अधिक से अधिक दस्तयाबी की जाने हेतु पुलिस टीम को निर्देशित किया गया है । प्राप्त निर्देशों के परिपालन मे पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री रविन्द्र वर्मा के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खरगोन (ग्रामीण) श्रीमति शकुन्तला रुहल के मार्गदर्शन मे समस्त अनुभाग के एसडीओपी एवं समस्त थाना प्रभारीयों को त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही कर नाबालिक/बालिग बालक/बालिकाओ को दस्त्याब करने हेतु निर्देशित किया गया है । पुलिस थाना सनावद पर ग्राम ढकलगाँव निवासी 02 नाबालिग बालिकाओ के गुम होने की सूचना मिली जिस पर से थाना सनावद पर क्रमशः अपराध क्रमांक 277/26 एवं 278/26 धारा 137(2) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दो

नाबालिग बालिकाओं के एक साथ गुम हो जाने की घटना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी सनावद जनि श्री धर्मेन्द्र यादव के नेतृत्व मे थाना सनावद से पुलिस टीम का गठन कर दोनों बालिकाओ को सकुशल खोजने के लिए निर्देशित किया गया। गठित पुलिस टीम के द्वारा दोनों बालिकाओ को खोजने के हर संभव प्रयास किए जा रहे थे परिणामस्वरूप विवेचना के दौरान पुलिस टीम को सूचना प्राप्त हुई कि दोनों बलिकाये इंदौर मे है, प्राप्त सूचना पर पुलिस टीम को तत्काल इंदौर रवाना किया गया जहां पुलिस टीम ने दोनों बालिकों को खोज कर सकुशल उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है । दोनों बालिकाओ से महिला पुलिस कर्मियों के द्वारा घर से जाने के बारे मे पूछने पर उन्होंने अपने परिजनों के द्वारा डाटने पर रूठ कर घर से जाने की बात पुलिस को बताई । शेष गुम बालक/बालिकाओं की दस्तायाबी के प्रयास भी निरंतर जारी है । उक्त कार्यवाही में एसडीओपी बड़वाह श्रीमती अर्चना रावत के मार्गदर्शन मे व थाना प्रभारी सनावद उनि श्री धर्मेन्द्र यादव के नेतृत्व मे थाना सनावद से उनि सुरेन्द्र सिंह पंवार ,उनि अंतिमबाला भूरिया, आर.746 राजेश, आर.850 राजीव, 559 विनोद गोड, आर. 429 सरदार, आर. 87 योगेश शर्मा व साइबर सेल से आर अभिलाष डोंगरे का विशेष योगदान रहा ।

गंगादेवी मकवाना नहीं रहीं, चक्रतीर्थ घाट पर अंतिम संस्कार संपन्न

उज्जैन । मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाना की माताजी गंगादेवी मकवाना का सोमवार सुबह 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया।वे पिछले कुछ महिनों से बीमार थीं।वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं।उनके निधन की खबर से पुलिस एवं प्रशासनिक महकमे के साथ सामाजिक क्षेत्र में भी शोक की लहर दौड़ गई।डीजीपी कैलाश मकवाना का पैतृक निवास उज्जैन की राजस्व कॉलोनी में स्थित है। गंगादेवी मकवाना के निधन की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी डीजीपी के निवास पहुंचे और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।इस दौरान अधिकारियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए परिजनों को ढांढस बंधाया।

दोपहर में निकली अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारियों,प्रशासनिक अधिकारियों,जनप्रतिनिधियों,समाजजनों एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।क्षिप्रा नदी के चक्रतीर्थ घाट पर उन्हें मुखाग्नि दी गई।बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने राम नाम का जाप करते दो मिनट मौन रहकर मृतात्मा को श्रद्धांजली अर्पित की। श्रद्धांजलि देने पहुंचे प्रमुख अधिकारियों में संभागायुक्त आशीष सिंह,एडीजी राकेश गुप्ता,डीआईजी नवनीत भसीन,कलेक्टर रौशन कुमार सिंह,एसपी प्रदीप शर्मा तथा नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा,नगर भाजपाध्यक्ष संजय अग्रवाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। गंगादेवी मकवाना के निधन पर विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों ने भी गहरा शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। चलित उठावना मंगलवार की दोपहर चार से छः बजे तक जीडीसी रोड,दशहरा मैदान स्थित आस्था गार्डन में रखा गया है।

जिला माहेश्वरी सभा झाबुआ का निर्विरोध गठन

अर्पित राठी बने अध्यक्ष, कमलेश चिचाणी को मिली सचिव की जिम्मेदारी

राणापुर गुरु महेश जैन झाबुआ जिला माहेश्वरी सभा, झाबुआ के नवीन कार्यकाल के लिए निर्वाचन शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सर्वसम्मति के वातावरण मंक संपन्न हुआ। समाज की एकजुटता और संगठनात्मक मजबूती का परिचय देते हुए सभी प्रमुख पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ। निर्वाचन प्रक्रिया जिला निर्वाचन अधिकारी नारायणजी बजाज एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी दीपक जाखेटिया के मार्गदर्शन में तथा निर्वाचन पर्यवेक्षक रविकांत परवाल एवं गोविंद गुप्ता की उपस्थिति में माहेश्वरी समाज गोपाल मंदिर में संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महेश के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। वरिष्ठ समाजसेवी राधाकिशन राठी गंभीर मालजी राठी डॉ. भगवान दास सहित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर निर्वाचन प्रक्रिया का शुभारंभ किया। निर्वाचन के दौरान समाज के वरिष्ठजनों एवं सदस्यों ने आपसी सहमति से नई कार्यकारिणी का चयन किया। समाजजनों ने इसे संगठन की एकता, पारदर्शिता और आपसी विश्वास का प्रतीक बताया। नवगठित जिला माहेश्वरी सभा में अर्पित राठी को जिला अध्यक्ष तथा कमलेश चिचाणी को जिला सचिव चुना गया। अध्यक्ष बनने पर अर्पित राठी का पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया, वहीं कमलेश चिचाणी ने संगठन को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया। नई कार्यकारिणी इस प्रकार रही-जिला अध्यक्ष-अर्पित राठी, जिला सचिव- कमलेश चिचाणी, उपाध्यक्ष-जितेन बांगड़-अनिल कोठारी (झाबुआ) संयुक्त सचिव- पवन

सोनी -हर्षवर्धन राठी, कोषाध्यक्ष- हनुमान चांडक, संगठन मंत्री- सर्वेश सोडानी, प्रचार मंत्री- संदीप माहेश्वरी। इसके साथ ही दीपक जाखेटिया को अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा का कार्यकारी मंडल सदस्य तथा पंकज जाखेटिया को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बनाया गया। वहीं ललित अजमेरा, संजय पलोड़, पल्लव चिचाणी एवं भगवानदास काबरा का चयन प्रदेश कार्यकारी मंडल सदस्य के रूप में किया गया। निर्वाचन अधिकारियों ने बताया कि पूरी प्रक्रिया समाज के संविधान एवं निर्धारित नियमों के अनुरूप पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई। कहीं भी किसी प्रकार का विवाद सामने नहीं आया, जो समाज की परिपक्वता एवं संगठन के प्रति सदस्यों की प्रतिबद्धता का परिचायक है। नवगठित जिला माहेश्वरी सभा में 15 पदाधिकारी एवं 16 जिला कार्यसमिति सदस्यों सहित कुल 31 सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई टीम सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सेवा गतिविधियों को नई दिशा देने के लिए कार्य करेगी। वरिष्ठजनों ने विश्वास व्यक्त किया कि नई कार्यकारिणी युवाओं, महिलाओं एवं वरिष्ठ सदस्यों को साथ लेकर संगठन को और अधिक सशक्त बनाएगी। अध्यक्ष अर्पित राठी एवं सचिव कमलेश चिचाणी ने समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ दायित्व निभाने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम के अंत में माहेश्वरी समाज गोपाल मंदिर में भगवान महेश की सामूहिक आरती की गई। संचालन एवं आभार प्रदर्शन राजेंद्र चिचाणी ने किया। झाबुआ एवं राणापुर के बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। इनमें वेंकटेश्वर राठी, कृष्णकांत कोठारी, राजेश साबू, नीरज राठी, नारायण राठी, संदीप राठी पीयूष चिचाणी, उद्दवराठी, अवध राठी, सुरेश बांगड़, हरीश बांगड़, सुनील माहेश्वरी, प्रदीप राठी हस्समुख राठी आयुष जागोटिया सर्वेश सोडानी सिद्धार्थ राठी हर्ष माहेश्वरी आदिल्य राठी सहित अनेक समाजबंधु मौजूद रहे।